सोशल मीडिया और हिंदी का प्रचार प्रसार

अश्विनी जगदीप थोरात

कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, उरुणइस्लामपुर.

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.17263502

ABSTRACT:

हर देश की पहचान वहाँ बोली जानेवाली भाषा से होती है। भारतवर्ष की राजभाषा के साथसाथ देश में सर्वाधिक बोली व समझी जानेवाली भाषा के रूप में हिंदी भाषा का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। भारत के प्रत्येक राज्य में हिंदी भाषा बोली और जानी जाती है। भाषा भावों की अभिव्यक्ति के साथसाथ महत्वपूर्ण सूचना और ज्ञान को जनजन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम रही है। भाषा को जनसंवाद के रूप में जोड़ने का काम आज के इस इलेक्ट्रॉनिक युग में इंटरनेट के माध्यम से तीव्र गति से हो रहा है। सोशल मीडिया फेसबुक, ट्विटर, ब्लॉग, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, व्हाट्सअप आदि के द्वारा आज ग्लोबल लैंग्वेज को पीछे छोड़ते हुए हिंदी भाषा का ही प्रचार प्रसार हो रहा है।

KEYWORDS:

सोशल मीडिया, हिंदी भाषा, प्रचार प्रसार, डिजिटल संचार, इंटरनेट.

प्रस्तावना:

सोशल मीडिया और हिंदी भाषा का आपस में गहरा संबंध है। सोशल मीडिया ने हिंदी के इस्तेमाल, फैलाव और विकास पर गहरा असर डाला है। सोशल मीडिया ने हिंदी को दुनिया के कोनेकोने तक पहुंचा दिया है। आज कोई भी व्यक्ति, चाहे वह दिल्ली, दुबई या अमेरिका में हो, हिंदी में सामग्री बना और शेयर कर सकता है। जिन लोगों की पढ़ाई हिंदी में नहीं हुई, उन्होंने भी सोशल मीडिया के जरिए हिंदी टाइप करना और पढ़ना सीख लिया है। सोशल मीडिया ने हिंदी लिखने की एक नई, अनौपचारिक शैली को जन्म दिया है, जिसे अक्सर "Hinglish" (हिंग्लिश) कहा जाता है। लेकिन भावनाओं को व्यक्त करने के लिए हिंदी भाषा का इस्तेमाल ही सोशल मीडिया में होता दिखा है।

सोशल मीडिया ने हिंदी को एक नया जीवन और गति प्रदान की

है। इसने हिंदी को और अधिक लोकतांत्रिक, लचीला और रोजमर्रा की भाषा बना दिया है। हालाँकि, कुछ चुनौतियाँ हैं, लेकिन समग्र रूप से सोशल मीडिया हिंदी के विकास और प्रचार प्रसार के लिए एक अत्यंत शक्तिशाली माध्यम साबित हुआ है।

विषय विवेचन:

सोशल मीडिया जहाँ वर्तमान में संचार व अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम की भूमिका निभा रहा है, वहीं जनमानस की भाषा माने जाने वाली हिंदी भी सोशल मीडिया में अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है। आज सोशल मीडिया के सभी माध्यमों में हिंदी लिखने वालों की संख्या बहुत अधिक बढ़ रही है।

सोशल मीडिया और हिंदी का रिश्ता सिर्फ इस्तेमाल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिकराजनीतिक जीवन से जुड़ गया है। भारत में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले मैसेजिंग ऐप, ने हिंदी को दैनिक डिजिटल संचार की मुख्य भाषा बना दिया है। हिंदी के महत्व को समझते हुए सभी बड़े सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स (जैसे Facebook, Twitter, Instagram, YouTube) ने अपना आदानप्रदान हिंदी में उपलब्ध कराया है। इससे आम लोगों को इन प्लेटफ़ॉर्म्स का इस्तेमाल करना आसान हुआ है। हिंदी भाषा के कारण लोगों को सोशल मीडिया पर अपनी संस्कृति और भाषा से जुड़ाव महसूस होता है। यह एक भरोसेमंद माध्यम बन गया है। एक बहुत बड़ा युवा वर्ग सोशल मीडिया की वजह से हिंदी की ओर आकर्षित हो रहा हैं।

व्हाट्सअप के जरिये नएनए साहित्यकार, रचनाकार व साहित्यानुरागी लोग अपना समूह बनाकर अपनीअपनी रचनाएँ प्रस्तुत करते हैं। एक दूसरे की कृतियों को पढ़ना तथा आवश्यकतानुसार प्रतिक्रिया भी देते रहते हैं। अच्छी रचनाएँ लोगों तक पहुँचने पर सराही जाती है तथा अत्यधिक लोगों द्वारा पसंद किए जाने पर पुरस्कार के लिए नामित भी किया जाता है।

यूट्यूब एक ऐसा माध्यम है कि जो देश के कोनेकोने तक व्याप्त है। इसमें हिंदी से जुड़ी हर समस्या का समाधान उपलब्ध रहता है। फेसबुक ने संपूर्ण साहित्य जगत को ही एक मंच पर ला दिया है। आज सोशल

मीडिया के द्वारा लेखक, कवि अपने पाठकों से इतना नजदीक पहुँच गए हैं कि हाथोंहाथ प्रति उत्तर प्राप्त कर रहे हैं। पाठकों, साहित्यकारों, संपादकों तथा प्रकाशकों की आपसी दूरी कम हुई है। निःसंदेह यह कहा जा सकता है कि हिंदी के प्रचार प्रसार में सोशल मीडिया अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

वर्तमान में अपने विचारों या भावों को आम जन तक पहुँचाने में सोशल मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इंटरनेट के माध्यम से एक व्यक्ति दूर किसी दूसरे व्यक्ति से जुड़ जाता है। सोशल मीडिया एक विशाल नेटवर्क है जो सारे विश्व को एक सूत्र में बाँधता है। यह विश्व का सुगम एवं सस्ता माध्यम है जो तीव्र गति से सूचनाओं का आदानप्रदान करता है।

जनभाषा के सबसे सशक्त माध्यम मीडिया ने हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार में वैश्विक क्रांति ला दी है। आज प्रत्येक व्यक्ति हिंदी को बोल सकता है और समझ भी सकता है भले ही उसे लिखनापढ़ना न आता हो। हिंदी भाषा दुनियाभर में समझी बोली जाती है। मीडिया ने हिंदी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दुनियाभर में भारतीय फ़िल्में, टेलीविजन कार्यक्रम देखे जाते हैं। इससे भी दुनिया में हिंदी का प्रचार प्रसार हुआ है। सोशल मीडिया, इंटरनेट, मोबाइल के कारण युवा पीढ़ी इस भाषा का सबसे अधिक प्रयोग कर रही है। यह इस भाषा की ताकत को बताता है। भाषा लोगों को जोड़ने का काम करती है।

विज्ञापनों में अधिकतर हिंदी भाषा का प्रयोग होता है, क्योंकि उन्हें पता है कि भारत की अधिकांश जनसंख्या हिंदीभाषी है। आज के इस युग में विज्ञापनों का बोलबाला है। लोग प्रसारित होने वाले हिंदी भाषी विज्ञापनों को देखते हैं एवं भाषा की सकारात्मक अभिव्यक्ति को सुनकर अथवा देखकर वस्तु को खरीदने के लिए प्रेरित होते हैं। इस प्रकार हिंदी भाषा का प्रयोग मीडिया के विभिन्न माध्यमों द्वारा किया जा रहा है। मीडिया ने हिंदी भाषा के प्रयोग को अपने विकास का तथा हिंदी के प्रचार का सशक्त माध्यम बना लिया है।

हिंदी के प्रयोग ने इलेक्ट्रॉनिक जनसंचार माध्यमों में क्रांति ला दी है। टेलीविजन, रेडियो आदि पर प्रत्येक चैनल आम बोलचाल की हिंदी भाषा का प्रयोग करके अनेक प्रोग्राम प्रसारित कर रहा है क्योंकि हिंदी

जनजन की भाषा है एवं आसानी से बोली एवं समझी जाती है। आज के इस तकनीकी युग में हिंदी भाषा में प्रकाशित बहुत से अखबार एवं पत्रपत्रिकाएँ भी इंटरनेट पर उपलब्ध है। हिंदी में प्रसारित विज्ञापनों के द्वारा भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने भारत में क्रांति ला दी है। इलेक्ट्रॉनिक संचार, दृश्य माध्यम और कंप्यूटर आदि के उपयोग में हिंदी अपनी जगह बना ली है। इन माध्यमों से हिंदी का प्रसार हो रहा है। हिंदी के प्रचार प्रसार में ब्लॉगिंग ने निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है, 1000 से भी ज्यादा व्यक्तियों द्वारा हिंदी के कई ऐसे ब्लॉग हैं जो रोजाना देखे जाते हैं।

मीडिया ही हिंदी भाषा के माध्यम से लोगों को प्रत्येक क्षेत्र खेल, संगीत, व्यापार, खबर, नाटक आदि की जानकारी प्रदान कर रही है। जिससे लोगों को घर बैठेबैठे प्रत्येक क्षेत्र की जानकारी प्राप्त हो रही है। इस प्रकार मीडिया हिंदी के विकास में भारत की एक सशक्त शक्ति के रूप में उभर रहा है।

आदिकाल से सांकेतिक भाषा, मौखिक भाषा, पत्र, समाचार पत्र, रेडिओ, दूरदर्शन और आज इंटरनेट के विकास के बाद सोशल मीडिया सूचना क्रांति के नवीनतम साधन के रूप में विकसित हुई। आजकल फेसबुक, ट्विटर, whatsapp, youtube, लिंक्ड इन, स्नैप चैट, ब्लॉगिंग एवं वी चैट इत्यादि कई सोशल मीडिया चलन में आए हैं।

पिछले कुछ दशकों में सोशल मीडिया भारतीय किशोरों के बीच ही नहीं अपितु पुरानी पीढ़ी के बीच भी काफी लोकप्रिय हुआ है। पहले इसका प्रयोग करने में भाषा की जो बाध्यता थी, हिंदी भाषा के प्रयोग ने वह भी दूर कर दी है। इस मीडिया के माध्यम से हिंदी भाषी हिंदुस्तानी जहाँ व्हाट्सअप के जरिए एक दूसरे से वार्तालाप कर सकता है, वहीं यूट्यूब (youtube) के जरिए कई विषयों की जानकारी प्राप्त कर सकता है। लिंक्ड इन आम आदमियों को रोजगार तलाशने में मदद कर रहा है। ब्लॉगिंग ने अपने उपयोगकर्ता को उसके विचारों की अभिव्यक्ति हेतु मंच प्रदान किया है। सोशल मीडिया की इन्हीं खूबियों के चलते आम जनता में इस मीडिया की मांग दिन प्रतिदिन बढ़ रही है।

इंटरनेट के कारण विभिन्न वेबसाइट्स, ब्लॉग्स, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से अधिकांश जनसमुदाय तक हिंदी भाषा को पहुँचाने

का कार्य हो रहा है। इंटरनेट पर दिनबदिन हिंदी के प्रचार एवं प्रसार की गति तेजी से बढ़ रही है। आज इंटरनेट पर हिंदी भाषा की अनेक वेबसाइट हैं जिनमें भाषा, साहित्य, पत्रकारिता, संगठन आदि से संबंधित तो कुछ साहित्यिक या साहित्येत्तर हैं। इंटरनेट पर प्रकाशित समाचार की दुनिया के किसी भी कोने में बैठा इंटरनेट उपभोक्ता किसी भी समय पढ़ सकता है। यूनिकोड मंगल जैसे यूनिवर्सल फ़ॉन्टों ने देवनागरी लिपि को कंप्यूटर पर, इंटरनेट पर हिंदी भाषा विकास के अनेक द्वार खोल दिए हैं।

सोशल मीडिया के अंतर्गत यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर, ऑर्कुट आदि का समावेश होता है। इनके माध्यम से सोशल मीडिया के कारण हिंदी का प्रचार एवं प्रसार अनेक पाठकों तक हो रहा है। सोशल मीडिया के कारण हिंदी का साहित्य कबीर से लेकर अब तक के रचनाकारों तक एक साथ पढ़ने को उपलब्ध हो रहा है। सोशल मीडिया में हिंदी का इस्तेमाल विभिन्न क्षेत्र के लोग कर रहे हैं जिनमें अध्यापक, डॉक्टर, राजनेता, अभिनेता, सामाजिक कार्यकर्ता, खिलाड़ी आदि शामिल है जो हिंदी के हित की ही बात है। इस प्रकार सोशल मीडिया के बढ़ते प्रयोग का कारण हिंदी भाषा ही है कि आज हमारे देश में अधिकांश लोग सहज व सरल रूप से सोशल मीडिया का प्रयोग कर अपने भावों की अभिव्यक्ति कर रहे हैं।

इसके साथ सोशल मीडिया के अंतर्गत यूट्यूब (youtube) को भी महत्वपूर्ण स्थान है। youtube के माध्यम से हम इंटरनेट पर हिंदी भाषा के साहित्यिक, शैक्षिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक क्षेत्र से संबंधित अनेकानेक वीडियो किसी भी समय देख सकते हैं, सुन सकते हैं और वीडियो क्लिप साझा कर सकते है। हिंदी भाषा में लिखने वालों का एक बड़ा वर्ग हमेशा ही सक्रिय देखने को मिलता है। आज सोशल मीडिया ने ही हिंदी भाषा को राजभाषा से विश्व भाषा बनाने का बीड़ा उठाया है।

सोशल मीडिया में अपलोड हिंदी भाषी वीडियो ने अनेक देशों के लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया है जिसके परिणामस्वरूप हमारे ही देश के गैर हिंदी भाषी भी आज हिंदी भाषा के समझने, बोलने व लिखने की ज़रूरत को स्वीकार कर रहे हैं। आज लगभग हर मुद्दे पर सोशल मीडिया में विचार विमर्श किया जा रहा है। सोशल मीडिया प्रिंट मीडिया

से अधिक तीव्र व जन तक पहुँच रखने वाला सशक्त माध्यम के रूप में अपनी छवि बना चुका है।

देश ही नहीं वरन पूरे विश्व में मीडिया और सोशल मीडिया का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। हिंदी के प्रचार प्रसार में मीडिया, सोशल मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। चाहे वह दूरदर्शन हो, समाचार पत्र हो, आकाशवाणी हो, पत्रिकाएँ हो, सिनेमा हो, फेसबुक हो, व्हाट्सअप हो, ट्विटर हो, ऑर्कुट हो या इंस्टाग्राम हो।

निष्कर्ष:

सोशल मीडिया ने हिंदी को एक "लाइव लैंग्वेज" (सजीव भाषा) बना दिया है। सोशल मीडिया ने हिंदी को 'लाइब्रेरी की किताब' से निकालकर 'जनजन की बोलचाल की डिजिटल भाषा' बना दिया है। सोशल मीडिया में हिंदी का प्रयोग वर्तमान समय में लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है।

नएनए रचनाकारों के लिए सोशल मीडिया एक अच्छा प्लेटफ़ॉर्म साबित हो रहा है। ये रचनाकार अपनी मौलिक रचनाओं को फेसबुक और व्हाट्सअप के माध्यम से जन सामान्य तक पहुँचा रहे हैं, तथा लोगों की प्रतिक्रिया व समीक्षा भी प्राप्त कर रहे हैं। उनकी प्रतिभा निखारने में सोशल मीडिया 'मील का पत्थर' साबित हो रही है।

इसलिए, सोशल मीडिया पर हिंदी सिर्फ एक संचार का माध्यम नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और सामाजिक प्रयोगशाला (laboratory) है जहाँ भविष्य की हिंदी का निर्माण हो रहा है।

संदर्भ:

1. समुच्चयप्रधान संपादक –प्रो.टी.जे.रेखा रानी, अंक 03, अगस्त, 2024 अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद
2. साहित्य अमृत संपादक लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, जून 2023, नई दिल्ली.
3. सोशल मीडिया में हिंदी भाषा का बढ़ता प्रयोग डॉ. अंकिता नामदेव
4. हिंदी के प्रचार प्रसार में इंटरनेट का योगदान प्रा. एस.के आतार
5. सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा का प्रयोग एवं महत्व अंजु चौधरी
6. हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार में मीडिया का योगदान पूजा रानी
7. हिंदी के प्रसार में सोशल मीडिया की भूमिका डॉ. ओरेंद्र कुमार यादव

Funding:
This study was not funded by any grant.

Conflict of interest:

The Authors have no conflict of interest to declare that they are relevant to the content of this article.

About the License:

© The Authors 2024. The text of this article is open access and licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.